ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
उदयपुर, सोमवार 30 जून 2025
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
वर्ष 2 अंक 87

हिमाचल में भारी बारिश- 285 सड़कें बंद, 39 की मौत:लैंडस्लाइड के बाद टनल में 5 घंटे फंसी रहीं गाड़ियां; बिहार में 5 लोगों पर बिजली गिरी

24 न्यूज अपडेट

हिमाचल प्रदेश में रविवार से ही तेज बारिश हो रही है। लैंडस्लाइड के चलते प्रदेशभर की 285 सड़कों पर वाहनों की आवाजाही बंद हो गई है। मानसून के बाद से राज्य में अब तक 39 लोगों की मौत हो चुकी है। बीते 24 घंटे में 3 ने जान गंवाई है।

हिमाचल के मंडी-कुल्लू नेशनल हाईवे पर थलौट की भुभु जोत टनल के पास सोमवार सुबह लैंडस्लाइड हो गया। इससे टनल के अंदर 5 घंटे तक कई गाड़ियां फंसी रहीं। अलर्ट के चलते आज हिमाचल के 4 जिलों में स्कूल बंद हैं।

बिहार के भोजपुर, बक्सर और नालंदा में बिजली गिरने से 5 की मौत हो गई। वहीं, गया के इमामगंज में लगुराही वाटरफॉल

में रविवार को अचानक पानी बढ़ गया। तेज बहाव में 6 लड़कियां बह गईं। स्थानीय लोगों ने सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

मौसम विभाग के अनुसार, आज 31 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में बारिश होगी। उत्तराखंड और झारखंड में रेड अलर्ट जारी किया गया है। मध्य प्रदेश-राजस्थान समेत 12 राज्यों में तेज बारिश का ऑरेंज और 17 राज्यों में यलो अलर्ट है।

जम्मू में मकान पर बिजली गिरी, परिवार की जान बची

जम्मू शहर के बाहरी इलाके में सोमवार सुबह करीब 7 बजे एक घर पर बिजली गिरी, जिससे घर को काफी नुकसान पहुंचा है। अधिकारियों ने बताया कि घटना जम्मू जिले के बिश्नाह तहसील के धिनाडी खुर्द गांव की है। बिजली गिरने के कारण घर के कई सारे इलेक्ट्रॉनिक सामान खराब हो गए।

ITR भरने पर आसानी से मिलता है लोन:सालाना कमाई ढाई लाख से कम है तब भी फाइल करें

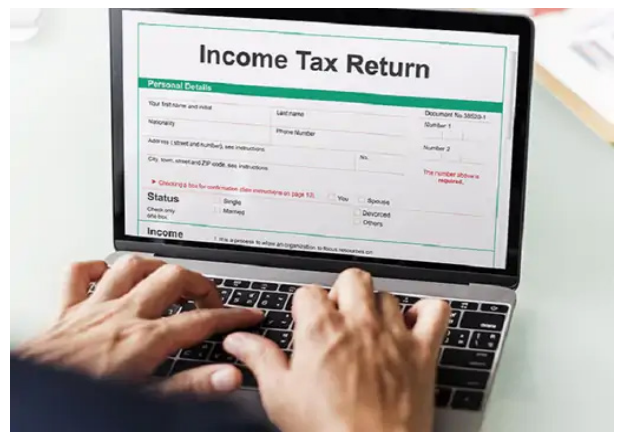

24 न्यूज अपडेट

फाइनेंशियल ईयर (वित्त वर्ष) 2024-25 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न यानी ITR भरने की प्रोसेस शुरू हो चुकी है। इस बार 15 सितंबर 2025 तक इनकम टैक्स रिटर्न (ITR) फाइल करना है। कई लोगों का मानना है कि अगर उनकी सालाना इनकम ढाई लाख से कम है और वो टैक्स के दायरे में नहीं आते हैं तो उन्हें ITR भरने की जरूरत नहीं है, लेकिन ऐसा नहीं है।

अगर आप इनकम टैक्स के दायरे में नहीं भी आते हैं तब भी आपको रिटर्न फाइल करना चाहिए, क्योंकि अगर आप ITR फाइल करते हैं तो इससे आपको कई फायदे होते हैं। ITR फाइल करने से लोन मिलने में आसानी होती है। हम आपको ITR फाइल करने के 4 फायदों के बारे में बता रहे हैं।

सबसे पहले जानें इनकम टैक्स रिटर्न (ITR) क्या होता है?

इनकम टैक्स रिटर्न (ITR) एक तरह का हिसाब है, जो आप सरकार को देते हैं। इसमें आप बताते हैं कि पिछले साल आपकी कितनी कमाई हुई, किस कमाई पर टैक्स चुकाना है और कितना टैक्स आपने एडवांस में भर दिया है। इससे पता चलता है कि टैक्स के रूप में आप सरकार को कुछ और पैसे देंगे या सरकार आपको कुछ पैसे वापस करेगी।

तेलंगाना की केमिकल फैक्ट्री में धमाका:12 मजदूरों की मौत और 34 जख्मी, अबतक 4 शव बरामद

24 न्यूज अपडेट

तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में सोमवार सुबह दवा बनाने वाली फैक्ट्री की रिएक्टर यूनिट में विस्फोट हो गया। घटना में 12 मजदूरों की मौत हो गई, 34 लोग जख्मी हैं। हादसा पाशमिलारम इंडस्ट्रियल एरिया स्थित सिगाची इंडस्ट्रीज में सुबह 8:.15 बजे से 9.30 बजे के बीच हुआ।

राज्य के श्रम मंत्री जी विवेक वेंकटस्वामी ने कहा- अबतक 4 शव बरामद हुए हैं। हमें उम्मीद है कि अब और कोई मौत नहीं होगी। IG वी सत्यनारायण ने बताया कि घटना के दौरान फैक्ट्री में 150 लोग थे, जहां ब्लास्ट हुआ वहां 90 लोग मौजूद थे।

उन्होंने कहा कि NDRF, DRF, SDRF की टीमों के साथ ही फायर ब्रिगेड की 10 गाड़ियां मौजूद हैं। ब्लास्ट के कारणों का पता लगाया जा रहा है। रिएक्टर में तेजी से केमिकल रिएक्शन होने से ब्लास्ट की संभावना जताई गई है। इधर, पीएम मोदी ने X पोस्ट के जरिए ब्लास्ट की घटना पर दुख जताया। पीएम नेशनल रिलीफ फंड से मृतकों के परिजन को 2 लाख और घायलों को 50 हजार की मदद की घोषणा की।

पुरी भगदड़-एग्जिट गेट बंद कर VIP एंट्री हो रही थी:प्रत्यक्षदर्शी बोले- ट्रक घुसने से भगदड़ मची, एंबुलेंस दूर खड़ी थी, लोगों ने घायलों को उठाया

24 न्यूज अपडेट

ओडिशा के पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा के दौरान हुई भगदड़ के समय मौजूद लोगों ने बताया- एक ही रास्ते से एंट्री और एग्जिट था। एग्जिट गेट बंद कर दिया गया था। वहीं से वीआईपी एंट्री करवाई जा रही थी। आम भक्तों के लिए कोई अलग रास्ता नहीं था। पुलिस भीड़ को संभाल नहीं पाई।

इसी बीच, रथ के सामने पूजा सामग्री से लदे दो ट्रक घुस आए, जिससे कई भक्त ट्रक से टकराकर गिर पड़े। इससे ही भगदड़ मच गई। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि हादसे के वक्त मौके पर कोई पुलिसकर्मी नहीं था। एंबुलेंस एक किमी दूर थी। घायलों को लोग हाथों पर उठा ले गए।

एक मृतका के पति ने कहा- मेरी पत्नी पानी मांगती रही। कोई सुनने वाला नहीं था। पुलिस से मदद नहीं मिली। प्रशासन की लापरवाही से मेरी पत्नी की जान गई।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि रात से ही मंदिर के पास व्यवस्था बिगड़ी हुई थी। श्रद्धालु जिस पॉलीथिन पर बैठे थे, बारिश में वह फिसलन भरी हो गई, जिससे लोग गिरते चले गए।

पुरी में रविवार सुबह 4:20 बजे जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान गुंडिचा मंदिर के पास भगदड़ मच गई। इसमें तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई। 50 से ज्यादा घायल हुए। हादसा जगन्नाथ मंदिर से करीब 3 किमी दूर गुंडिचा मंदिर के सामने हुआ। यहां भगवान जगन्नाथ के नंदीघोष रथ के दर्शन के लिए भारी भीड़ जुटी थी।

जगन्नाथ जी का रथ बाद में पहुंचा, लोगों में दर्शन की होड़ लग गई

पुरी की रथयात्रा में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के रथों को उनकी मौसी के घर गुंडिचा मंदिर के सामने 9 दिन के लिए खड़ा कर दिया जाता है। यहां बलभद्र और सुभद्रा के रथ पहले पहुंच चुके थे। जगन्नाथ रथ बाद में पहुंचा, जिससे लोगों में उसके दर्शन करने की होड़ लग गई।

इसी दौरान भगदड़ मची, जिसमें गिरने से कई लोग कुचल गए। बताया जा रहा है कि घटना के समय वहां पर्याप्त पुलिस बल तैनात नहीं था। हादसे में मारे गए लोगों के नाम बसंती साहू (36), प्रेमकांति महांति (78) और प्रभाती दास हैं। इनके शव पुरी मेडिकल कॉलेज में रखे गए हैं।

आज सोना-चांदी के दाम में तेजी:सोना 102 बढ़कर 95,886 पर पहुंचा, चांदी 1.06 लाख किलो बिक रही

24 न्यूज अपडेट

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 30 जून को बढ़त रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 102 बढ़कर 95,886 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले इसका दाम 95,784 पर था।

वहीं चांदी की कीमत 317 बढ़कर 1,05,510 प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले ये 1,05,193 पर थी। वहीं 18 जून को चांदी ने 1,09,550 और सोने ने 99,454 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

दिल्ली: 24 कैरेट सोने की कीमत 97,410 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,300

मुंबई: 24 कैरेट सोने की कीमत 97,260 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,150

कोलकाता: 24 कैरेट सोने की कीमत 97,260 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,150

चेन्नई: 24 कैरेट सोने की कीमत 97,260 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,150

भोपाल: 24 कैरेट सोने की कीमत 97,310 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,200

अमरनाथ के लिए जम्मू में ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू: 2 जुलाई को पहला जत्था बेस कैंप से रवाना होगा

24 न्यूज अपडेट

अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होगी। इसके लिए सभी इंतजाम लगभग पूरे हो गए है। इस साल अब तक करीब 3.5 लाख श्रद्धालु रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। जिन श्रद्धालुओं ने अभी तक ऑनलाइन पंजीकरण नहीं कराया है, उनके लिए जम्मू में ऑफलाइन पंजीकरण सोमवार से शुरू हो गया है।

एक अधिकारी ने बताया कि कल तीन नए रजिस्ट्रेशन सेंटर वैष्णवी धाम, पंचायत भवन और महाजन सभा में शुरू हो जाएंगे। ये सेंटर सुबह 7 बजे खुल जाएंगे। हर सेंटर पर रोजाना सिर्फ दो हजार श्रद्धालुओं का ही रजिस्ट्रेशन किया जाएगा।

प्रशासन की ओर से स्पेशल रजिस्ट्रेशन सेंटर बनाए गए हैं। तीर्थयात्रियों का पहला जत्था 2 जुलाई को जम्मू के भगवतीनगर बेस कैंप से रवाना होगा। अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से 9 अगस्त (38 दिन) तक पहलगाम रूट और बालटाल रूट से होगी। अनंतनाग जिले में पारंपरिक पहलगाम रूट 48 किमी लंबा है, जबकि गांदरबल जिले में बालटाल रूट की लंबाई 14 किमी है।

श्रद्धालु बोले- आतंकियों का डर नहीं

यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह नजर आ रहा है। रजिस्ट्रेशन कराने आए एक श्रद्धालु ने कहा, 'इस बार लोग उत्साहित हैं। पहलगाम हमले के बाद भी अब कोई डर नहीं है। व्यवस्थाएं अच्छी हैं और प्रशासन हमारे साथ है।'

एक अन्य श्रद्धालु ने कहा, 'मुझे बाबा अमरनाथ पर भरोसा है। आतंकवादी जो चाहें करें, हम पर इसका कोई असर नहीं होगा। मैं सभी से अनुरोध करता हूं कि वे जम्मू-कश्मीर आएं ताकि हमारी सेना और सरकार यह कह सके कि हम पर आतंकियों की हरकतों का कोई असर नहीं हैं।'

कोलकाता गैंगरेप की CBI जांच कराने के लिए याचिका दायर:एजुकेशन इंस्टीट्यूट में सिविल वॉलेंटियर के तैनाती की भी मांग; हफ्ते के आखिर में सुनवाई संभव

24 न्यूज अपडेट

कोलकाता गैंगरेप की CBI जांच के लिए कलकत्ता हाईकोर्ट में सोमवार को जनहित याचिका दायर हुई। इसमें CBI को मामले की प्राइमरी जांच करके कोर्ट में रिपोर्ट सौंपने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

मुख्य आरोपी के राज्य की सत्ताधारी पार्टी TMC से जुड़े होने के चलते यह मांग की गई है। याचिका में पीड़ित को मुआवजा देने और सरकारी एजुकेशन इंस्टीट्यूट में लड़कियों की सुरक्षा के लिए सिविल वॉलेंटियर तैनात करने की भी मांग की गई है।

इससे पहले दायर कुछ अन्य याचिकाओं में कोर्ट की निगरानी में मामले की जांच कराने की मांग की गई है। इस हफ्ते के आखिर में इन याचिकाओं पर सुनवाई हो सकती है।

साउथ कोलकाता लॉ कॉलेज में 25 जून को गैंगरेप एक छात्रा से गैंगरेप हुआ था। मुख्य आरोपी यहीं का पूर्व छात्र मनोजीत मिश्रा (31) है। इसमें दो वर्तमान छात्र जैब अहमद (19), प्रमित मुखर्जी (20) और एक गार्ड पिनाकी (55) भी शामिल हैं। जांच के लिए 9 मेंबर्स की SIT बनाई गई है।

NWC सदस्य बोलीं- कुछ छिपाने की कोशिश हो रही

कोलकाता लॉ कॉलेज गैंगरेप केस में रविवार को राष्ट्रीय महिला आयोग (NWC) की सदस्य अर्चना मजूमदार ने कॉलेज का दौरा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले में कुछ छिपाने की कोशिश की जा रही है। मजूमदार ने कहा कि आयोग के साथ पुलिस पूरी तरह सहयोग नहीं कर रही है।

अर्चना मजूमदार ने बताया, 'विक्टिम का परिवार जबर्दस्त दबाव में है। पुलिस को यह तक नहीं पता कि वे इस वक्त कहां है। उन्होंने मुझे अपराध स्थल का वीडियो रिकॉर्ड करने से भी रोक दिया।'

वहीं, भाजपा ने रविवार शाम को कोलकाता में 'कन्या सुरक्षा यात्रा' निकाली, जो विक्टिम का समर्थन और अपराध का विरोध दर्ज कराने के लिए आयोजित की गई। यह मार्च पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में निकाला गया।

कॉलेज के CCTV में 25 जून की दोपहर 3:30 बजे से रात 10:50 बजे तक करीब 7 घंटे की फुटेज हैं। एक जांच अधिकारी ने बताया कि CCTV में पीड़ित छात्रा को गार्ड के कमरे में जबर्दस्ती ले जाने की घटना कैद हुई है। इससे छात्रा की लिखित शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुष्टि होती है।

28 जून को पीड़ित छात्रा की मेडिकल रिपोर्ट में भी रेप की पुष्टि हुई। पुलिस के मुताबिक पीड़ित के साथ जबरदस्ती करने, शरीर पर काटने और नाखून से खरोंचने के निशान मिले हैं। उससे मारपीट की भी पुष्टि हुई है।

1 जुलाई से रेलवे किराया तर्कसंगत, साधारण श्रेणी में 500 किमी तक कोई बढ़ोतरी नहीं

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। यात्री सेवाओं की वित्तीय स्थिरता और किराया ढांचे को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से भारतीय रेलवे ने 1 जुलाई 2025 से यात्री ट्रेनों के मूल किराए में बदलाव की घोषणा की है। यह संशोधित किराया भारतीय रेलवे सम्मेलन संघ (आईआरसीए) द्वारा जारी नई किराया तालिका पर आधारित होगा।

ये रहेंगे प्रमुख बदलाव: उपनगरीय ट्रेनों के एकल यात्रा किराए और सीजन टिकटों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

साधारण गैर-एसी (गैर-उपनगरीय) रेलगाड़ियों में:

500 किलोमीटर तक किराया यथावत।

501 से 1500 किमी: 5 रुपये की बढ़ोतरी।

1501 से 2500 किमी: 10 रुपये की बढ़ोतरी।

2501 से 3000 किमी: 15 रुपये की बढ़ोतरी।

स्लीपर और प्रथम श्रेणी: प्रति किलोमीटर 0.5 पैसे की वृद्धि।

मेल/एक्सप्रेस (गैर-एसी) ट्रेनों में: द्वितीय श्रेणी, स्लीपर और प्रथम श्रेणी — 1 पैसा प्रति किमी बढ़ेगा।

एसी श्रेणी (मेल/एक्सप्रेस): एसी चेयरकार, एसी 3-टियर, एसी 2-टियर, एग्जीक्यूटिव/फर्स्ट क्लास — 2 पैसे प्रति किमी बढ़ोतरी।

प्रीमियर और विशेष ट्रेनों पर भी लागू- राजधानी, शताब्दी, वंदे भारत, तेजस, दुरंतो, हमसफर, गतिमान, महामना, अंत्योदय, जनशताब्दी, युवा एक्सप्रेस जैसी प्रीमियर और विशेष ट्रेनों पर भी संशोधित दरें लागू होंगी।

सहायक शुल्क यथावत- आरक्षण शुल्क, सुपरफास्ट अधिभार, अन्य शुल्कों में कोई परिवर्तन नहीं होगा। जीएसटी मौजूदा नियमों के अनुसार ही वसूला जाएगा।

क्रियान्वयन और टिकटिंग व्यवस्था- संशोधित किराया 1 जुलाई 2025 से बुक होने वाले टिकटों पर ही लागू होगा। इससे पूर्व जारी टिकट पूर्व दरों पर ही वैध रहेंगे। सभी पीआरएस, यूटीएस और मैन्युअल टिकटिंग सिस्टम को अपडेट किया जा रहा है। क्षेत्रीय रेलवे को किराया डिस्प्ले बोर्ड भी अपडेट करने के निर्देश दिए गए हैं।

सेंसेक्स 452 अंक गिरकर 83,606 पर बंद:निफ्टी 121 लुढ़का, ट्रेंट, BEL और SBI 3% चढ़े; रियल्टी और ऑटो शेयरों में गिरावट रही

24 न्यूज अपडेट

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी आज सोमवार, 30 जून को सेंसेक्स 452 अंक गिरकर 83,606 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 121 अंक की गिरावट रही, ये 25,517 पर आ गया।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 12 में तेजी और 18 में गिरावट रही। ट्रेंट का शेयर 3.10% चढ़ा, BEL और SBI में भी 2% तक की तेजी रही। एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और मारुति के शेयरों में 2% से ज्यादा की गिरावट रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 19 में तेजी और 31 में गिरावट रही। NSE के सरकारी बैंकों के इंडेक्स में 2.66% की तेजी रही। फार्मा, IT, मीडिया और हेल्थकेयर में भी 1% की तेजी रही। वहीं, प्राइवेट बैंक, रियल्टी और ऑटो में 1% तक की गिरावट रही।

संपादकीय : अपराध का मानस

यह चिंता दिनोंदिन गहरी होती जा रही है कि आखिर महिलाओं के प्रति हिंसा और अपराध का मानस क्यों प्रबल होता जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में महिला अपराधों के खिलाफ व्यापक आंदोलन उभरने, कानूनी सख्ती और पुलिस की जवाबदेही बढ़ाए जाने के बावजूद बलात्कार, हत्या, मारपीट, छेड़खानी, फब्ती कसने जैसी प्रवृत्ति में कोई कमी दर्ज नहीं हो पाई है। राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो और महिला आयोगों के दस्तावेजों में हर वर्ष महिलाओं के खिलाफ अपराध की घटनाएं कुछ बढ़ी हुई ही दर्ज हो रही हैं। स्वाभाविक ही, इसे लेकर राज्यों की कानून-व्यवस्था पर अंगुलियां उठती हैं। पर यह सवाल अनुत्तरित है कि क्यों अपराधियों में कानून का भय पैदा नहीं हो पा रहा । कोलकाता में चिकित्सा छात्रा से बलात्कार और हत्या की घटना को लेकर लंबे समय तक आंदोलन चला, जिसमें तमाम मेडिकल कालेजों और दूसरे शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों ने भी बढ़-चढ़ कर शिरकत की और बढ़ते महिला अपराधों को रोकने के नारे लगाए। राज्य सरकार ने इस मामले के मद्देनजर महिला सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने के वचन दोहराए और कुछ प्रशासनिक तब्दीलियां कर ऐसे अपराधों को रोकने का दावा किया। मगर उस घटना के बाद अब एक विधि कालेज में छात्रा से सामूहिक बलात्कार का मामला सामने आ गया। जिन विद्यार्थियों पर छात्रा के साथ बलात्कार का आरोप है, वे खुद कानून की पढ़ाई कर चुके या कर रहे थे । बताया जा रहा है कि लड़की ने मुख्य आरोपी के विवाह प्रस्ताव को ठुकरा दिया था, जिससे आहत होकर उसने छात्रा के साथ न केवल बलात्कार किया, बल्कि उसकी तस्वीरें भी उतारीं । धमकी दी कि अगर उसने इस बारे में किसी को बताया तो वह उन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर डाल देगा। इस मामले में ऐसा नहीं माना जा सकता कि आरोपियों को अपने अपराध में मिलने वाले दंड का अंदाजा न था। फिर भी उनमें छात्रा का बलात्कार करने की हिम्मत पैदा हुई, तो इसका पहला कारण तो यही समझ आता है कि उन्हें कानून के शिकंजे से निकल भागने का भरोसा रहा होगा। बलात्कार के ज्यादातर मामलों में आरोप सिद्ध न हो पाने के कारण आरोपी प्रायः दोषमुक्त हो जाते हैं। इसलिए भी बहुत सारे अपराधी किस्म के लोग ऐसी हरकतों से बाज नहीं आते। इसलिए निर्भया कांड के बाद महिला अपराधों के खिलाफ कानूनों को और कठोर बनाने के बावजूद कोई उल्लेखनीय असर नजर न आने के कारण बहुत सारे लोग इन कानूनों की समीक्षा की मांग उठाते रहते हैं। किसी भी राज्य में सुशासन का दावा इस बात से पुष्ट होता है कि वहां अपराधियों पर कितना अंकुश लगाया जा सका है। पश्चिम बंगाल सरकार अपराध पर काबू पाने के दावे करती नहीं थकती, मगर ऐसी घटनाओं से यही जाहिर होता है कि संगठित अपराधों की तो क्या कहें, सामान्य रंजिश में भी लोग जघन्य अपराध करने से नहीं हिचक रहे । आरजी कर अस्पताल में बलात्कार और हत्या की घटना के बाद अगर शैक्षणिक संस्थानों में महिला सुरक्षा के बंदोवस्त चुस्त होते और सचमुच विद्यार्थियों में इसे लेकर संजीदगी पैदा हुई होती तो शायद विधि विद्यालय की ताजा घटना न घटती । फिर बड़ा सवाल यह भी है कि आखिर युवाओं में इस तरह अपराध का मानस कैसे बन रहा है कि वे अपने किसी प्रस्ताव या फैसले के इनकार को सहन नहीं कर पा रहे और हिंसक हो उठते हैं।

हिंसा की सड़क

पिछले कुछ वर्षों से शहरों महानगरों में सड़कों पर यह विडंबना तेजी से बढ़ी है। कि बेहद मामूली बात पर दो पक्ष आपस में उलझ जाते हैं और कई बार टकराव इस कदर हिंसक शक्ल अख्तियार कर लेता है कि उसमें किसी की जान चली जाती है। सड़कों पर हिंसा की यह एक ऐसी प्रवृत्ति है, जो न केवल नाहक उपजे तात्कालिक गुस्से के बेलगाम होने का नतीजा होती है, बल्कि इसका अंजाम एक अपराध के रूप में भी सामने आता है। आए दिन ऐसे मामले सामने आते रहते हैं, जिनमें दो वाहन चालक या लोग गलती से हल्की टक्कर होने या फिर बेहद छोटी बात पर हिंसा पर उतारू हो जाते हैं। गौरतलब है कि शुक्रवार को दिल्ली के नंदनगरी इलाके में गलती से एक ई-रिक्शा एक कार से टकरा गया, जिससे किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ। मगर सिर्फ इतनी-सी बात के लिए कार चालक ने आवेश में आकर ई-रिक्शा चालक को गोली मार दी। यह समझना मुश्किल है कि महंगी गाड़ियों में हथियार लेकर चलने के शौक के पीछे कौन-सी ग्रंथि काम कर रही होती है। मगर कई बार सड़क पर शान या रौब और दूसरे पर हावी होने की जैसी प्रवृत्ति पाई जाती है, उसमें कुछ लोगों की आक्रामकता दूसरों के लिए जानलेवा साबित हो सकती है। खासकर जब उसके पास कोई खतरनाक हथियार भी हो। नतीजतन, जिन बातों पर टकराव भी नहीं होना चाहिए, उन पर हत्या तक कर दी जाती है। नंदनगरी में बेहद मामूली बात पर ई-रिक्शा चालक को गोली मार देने के पीछे भी आक्रोश था, जिसे कुछ पल के धीरज से टाला जा सकता था। दरअसल, अपनी गाड़ी से किसी अन्य वाहन के छू जाने, हल्की टक्कर होने या फिर आगे निकलने पर होने वाली बहसें आजकल चिंताजनक रूप से हिंसक टकराव में तब्दील होती देखी जा रही हैं सड़कों पर यह एक ऐसी विकृति पल रही है, जिसका शिकार कोई भी हो सकता है, क्योंकि अनदेखी करने लायक बातों पर भी जिस तरह के टकराव खड़े हो जाते हैं, उनमें वहां बात करने और आपसी समझ और सद्भाव से विवाद को सुलझाने की गुंजाइश कम होती जा रही है।

पत्रकार कपीश भल्ला की पहल लाई रंग, घायल ऊंट को मिला नया जीवन

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। उदयपुर के जाने माने पत्रकार कपीश भल्ला ने अपनी सजगता, संवदेनशीलता और तत्परता से सोशल मीडिया पर कुछ ही घंटों में दानदाताओं के माध्यम से धन की व्यवस्था कर एक ऊंट की जान बचाई। कपीश भल्ला ने बताया कि राजकीय बहुउद्देशीय पशु चिकित्सालय, उदयपुर में घायल ऊंट का उपचार किया गया। यह ऊंट डोडावली निवासी केसुलाल पिता नारू गमेती का है व पहाड़ों में चरने गया था। वहां पर फिसलने से उसके आगे के बाएं पैर में फ्रैक्चर हो गया और वह चलने-फिरने में असमर्थ हो गया। पशुप्रेमी कपीश भल्ला और अनुज दीक्षित ने सूचना मिलते ही तत्काल सक्रियता दिखाई और टीम के साथ मौके पर डोडावली पहुंचे। ऊंट की गंभीर हालत को देखते हुए यह निर्णय लिया कि उसे तुरंत उपचार के लिए उदयपुर लाना होगा। ऊंट जिस जगह पर घायल अवस्था में पड़ा था, वह स्थान कई खूंखार जंगली जानवरों का भी इलाका माना जाता है, जिससे उसका जीवन खतरे में था। उन्होंने रातों-रात रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया।

5 जेसीबी की मदद से ऊंट को खड़ा किया

पहले चार से पांच जेसीबी मशीनों की मदद से रास्ता बनाया। इसमें डोडावली सरपंच की भी मदद रही। फिर जेसीबी के सहारे ऊंट को उठाकर ट्रैक्टर में रखकर उदयपुर के राजकीय बहुउद्देशीय पशु चिकित्सालय लाया गया।

यहां वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. महेन्द्र मेहता एवं डॉ. अनुपमा दीक्षित ने सबसे पहले तो मना कर दिया कि घोड़े व उंट के प्लास्तर नहीं बधांता। इसे ले जाओ, कच्ची जगह में छोड दो जैसा तैसा जुड़ जाएगा। इसके बार कपीश भल्ला और अनुज दीक्षित ने इस मामले को सोशल मीडिया पर लाइव कर दिया। इस पर एडीएम सिटी वारसिंहजी का फोन आया। उन्होंने जानकारी ली व चिकित्सालय में फोन किया। प्रशासन का फोन आते ही सारे डाक्टर सक्रिय हो गए। डाक्टरों ने प्लास्तर मंगवाया। लेकिन समस्या यह आई कि उंट के लिए कुल 10 प्लास्टर आखिर कौन लाए। इसकी कीमत 12 हजार रूपए थी। इस पर एक बार फिर से सोशल मीडिया पर उदयपुर खबर न्यूज चैनल के माध्यम से समाचार प्रसारित करते हुए लोगों से मदद मांगी गई। खबर के प्रसारित होते ही कई लोगों ने संपर्क किया और दिए गए नंबरों पर सहायता राशि की। सबसे ज्यादा मनक्का गौड़ ने 3 हजार रूपए की मदद की इसके अलावा अन्य दानदाताओं ने भी मदद की। कुल 20 हजार इकट्ठा हुए जिसमें से 19 हजार का खर्चा आया। एक हजार अभी बचे हुए हैं। इसके बाद राशि से प्लास्टर सर्जिकल शॉप से खरीदा। कुल 10 पीस विशेष प्लास्तर के खरीदे गए जो पशुधन निरीक्षक डॉ. राजेन्द्र कुमार मेघवाल, पशुधन परिचर बाबूलाल चौहान, जयसिंह सरदार, प्रशिक्षु पशुधन निरीक्षक शुभम शर्मा, संजय वर्मा, सुनील मेघवाल, तनुज शर्मा, लोकेश कुशवाहा, सुरज चौधरी व द्वारिकाधीश ने मिलकर घायल ऊंट के पैर में फाइबर कास्टिंग विधि से प्लास्टर बांधा। इतिहास में यह पहला मौका रहा जब जिला कलेक्टर नमित मेहता के निर्देश पर एक्सरे मशीन परिसर से बाहर निकाल कर एक्सरे किया गया और ऊंट का सफल प्लास्टर किया गया। इस पूरे मामले में जिला प्रशासन की संवदेनहीनता भी सामने आई। अगर जिला प्रशासन चाहता तो कलेक्टर साहब के आदेश पर एक नहीं, दस दानदाता खड़े हो जाते। लेकिन प्रशासन ने ऐसी कोई पहल नहीं की। बल्कि अस्पताल में भी यही शर्त थी कि प्लास्तर आएगा तो बांध दिया जाएगा। नहीं आएगा तो नहीं बंधेगा। पत्रकार कपीश और अनुज की पहल पर ही यह संभव हो सका। इलाज के बाद ऊंट अब पूरी तरह स्वस्थ है और मालिक को उपचार संबंधी आवश्यक सलाह देकर वापस रवाना किया गया। इस मामले के सबक ये हैं कि उदयपुर में भी बड़े पशुओं के प्लास्तर साहित अन्य नए उपचार के तरीकों पर तत्काल विचार किया जाना चाहिए। यहां के डाक्टरों को उसका प्रशिक्षण देना चाहिए।

नया सवाल, अब प्लास्टर कैसे उतरेगा

अब नया सवाल खड़ा हो रहा है कि करीब 14 दिन बाद इसी उंट का प्लास्तर काटा जाना है। इसके लिए भी उसको चिकित्सालय लाने को कहा गया है। लेकिन यह भी मुश्किल है व उसके लिए भी धन चाहिएं। पत्रकार कपीश ने बताया कि अगर यहां का चिकित्सा दल मौके पर जाकर उंट का प्लास्तर काटा दे तो उसे लाने की समस्या खत्म हो जाएगी। इस काम के लिए जिले के अधिकारियों को पहले करके निर्देश देने चाहिएं।

उदयपुर के गौरव और युद्धवीर नेशनल चैंपियनशिप में चमके

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 30 जून। कर्नाटक के दावनगिरी में चल रही राष्ट्रीय सीनियर पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में उदयपुर के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी गौरव साहू और युवा प्रतिभा युद्धवीर सिंह राठौड़ ने अपने शानदार प्रदर्शन से न सिर्फ उदयपुर, बल्कि राजस्थान को गौरवान्वित किया है। राजस्थान राज्य पावरलिफ्टिंग संघ के सचिव विनोद साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि सीनियर वर्ग की 59 किलोग्राम भारश्रेणी में भाग लेते हुए गौरव साहू ने अपने खेल जीवन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए कुल 605 किलो वजन उठाकर ओवरऑल कांस्य पदक जीता। यह प्रदर्शन उन्हें इस वर्ग में 600 किलो से अधिक वजन उठाने वाला राजस्थान का पहला खिलाड़ी बना देता है। गौरव ने स्क्वेट में 240 किलो वजन उठाकर रजत पदक प्राप्त किया, बेंच प्रेस में 127.5 किलो और डेडलिफ्ट में 237.5 किलो वजन उठाकर व्यक्तिगत कांस्य पदक हासिल किया। इस प्रकार तीनों वर्गों में कुल 605 किलो भार उठाकर उन्होंने ओवरऑल कांस्य पदक अपने नाम किया। यह गौरव के करियर का लगातार दूसरा ओवरऑल कांस्य है, इससे पूर्व वे नई दिल्ली में आयोजित फेडरेशन कप नेशनल सीनियर पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में भी यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। अब वे आगामी नवंबर में रोमानिया में होने वाली विश्व सीनियर पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप की तैयारी में जुटे हैं। वहीं, जूनियर वर्ग की 105 किलोग्राम भारश्रेणी में भाग लेते हुए उदयपुर के युद्धवीर सिंह राठौड़ ने अपने पहले ही नेशनल में शानदार सफलता अर्जित की। उन्होंने स्क्वेट स्पर्धा में 322.5 किलो वजन उठाकर स्वर्ण पदक, बेंच प्रेस में 180 किलो वजन उठाकर कांस्य पदक, तथा डेडलिफ्ट में 290 किलो वजन उठाकर फिर से स्वर्ण पदक जीता। कुल 792.5 किलो भार उठाकर युद्धवीर ने ओवरऑल स्वर्ण पदक हासिल किया। दोनों खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर राजस्थान राज्य पावरलिफ्टिंग संघ के अध्यक्ष दिनेश श्रीमाली, सचिव डॉ. देवेंद्र साहू, कोषाध्यक्ष राजाराम शर्मा, आयोजन सचिव विनोद साहू, जिला ओलंपिक संघ के सचिव जालमचंद जैन, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी चंद्रेश सोनी, माला सुखवाल सहित शहर के अनेक खेलप्रेमियों ने उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी हैं।

आटा गूंथने की बात पर हुआ झगड़ा, दूसरी पत्नी ने कुल्हाड़ी से की तीसरी की हत्या

24 न्यूज अपडेट

गुमला (झारखंड),. गुमला जिले के सिसई थाना क्षेत्र में पारिवारिक कलह एक दिल दहला देने वाली घटना में तब्दील हो गई, जब एक महिला ने अपने पति की तीसरी पत्नी की कुल्हाड़ी से बेरहमी से हत्या कर दी। यह घटना महज आटा गूंथने की बात को लेकर शुरू हुए झगड़े से उपजी। पुलिस ने सोमवार को मामले का खुलासा करते हुए बताया कि यह हादसा नहीं बल्कि सुनियोजित हत्या थी, जिसमें मृतका का पति भी शामिल था। पुलिस के अनुसार, 28 जून की रात करीब 10:30 बजे घर में आटा गूंथने को लेकर अफसाना खातून और रिजवाना प्रवीण के बीच कहासुनी हो गई। बात इतनी बढ़ गई कि अफसाना ने कुल्हाड़ी से रिजवाना के सिर पर वार कर दिया, फिर दुपट्टे से उसका गला घोंट दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हत्या के बाद अफसाना और उसका पति शमशाद अंसारी ने मिलकर इसे एक हादसे का रूप देने की कोशिश की। शमशाद अंसारी ने तीन शादियां की थीं। पहली पत्नी उसे पहले ही छोड़ चुकी थी। दूसरी पत्नी अफसाना दो बच्चों के साथ उसी घर में रह रही थी, और तीसरी पत्नी रिजवाना प्रवीण से उसकी शादी 6 नवंबर 2023 को हुई थी। तीनों एक ही घर में रहते थे। एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव के मुताबिक, घटना को दबाने के लिए शमशाद और अफसाना ने पुलिस को बताया कि रिजवाना छत से उतरते समय सीढ़ियों से फिसल कर गिर गई और उसकी मौत हो गई। लेकिन मृतका के भाई रिजवान अंसारी को संदेह हुआ और उसने 29 जून को थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस की जांच में सामने आया कि दोनों महिलाओं के बीच पहले से ही तनाव था, और अफसाना को डर था कि नई पत्नी रिजवाना उसके बच्चों के अधिकारों को छीन लेगी। आटा गूंथने की छोटी सी बात पर शुरू हुई बहस ने अंततः रिजवाना की जान ले ली। जांच के दौरान पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल की गई कुल्हाड़ी और गला घोंटने के लिए इस्तेमाल किया गया दुपट्टा बरामद कर लिया है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

राष्ट्रसंत मुनि 108 पुलक सागर महाराज का ढोल नगाड़े के साथ, बांसड़ा में हुआ भव्य मंगल प्रवेश

24 न्यूज अपडेट

वल्लभनगर। राष्ट्रसंत मुनि 108 पुलक सागर महाराज का ढोल नगाड़े के साथ भव्य मंगल प्रवेश, आरती और महाअर्ग, पाद प्रक्षालन के साथ रंग राज भवन , ज्ञान विद्या मंदिर बांसड़ा में हुआ । इंद्र लाल फांदोत एवं तारा जैन ने श्री फल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। साथ ही गांव के गणमान्य श्रद्धालुओं ने ,देवराम व्यास, बांसड़ा गांव के पंचायत समिति सदस्य भरत कुमार व्यास, , मोहन सिंह, ललित सिंह सोनीगरा, जयप्रकाश चौबीसा , पुरन अहिर, कन्हैयालाल मेनारिया ,जयदीप चौबीसा, भगवतिलाल सुथार, पंकज चौबीसाभींडर नगर पालिका पूर्व पार्षद लीला धर सोनी सहित कई लोगों ने भी मुनि पुलक सागर महाराज के श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद लिया। मुनि विहाररत होते हुए उदयपुर की ओर अग्रसर हैं। इस दौरान उन्होंने विद्यालय में ही आहारचर्या संपन्न की। आहार के मुनि ने ज्ञान विद्या मंदिर, बांसड़ा में नवसत्र के पहले दिन उपस्थित नन्हें विद्यार्थियों को विशेष आशीर्वचन दिए ।

'रिदम ऑफ कलर' प्रदर्शनी के जरिए महिला उद्यमिता को नया मंच

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर. महिलाओं को आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रोत्साहित करने हेतु समर्पित समूह 'पंख' द्वारा शुभ केसर गार्डन, उदयपुर में दो दिवसीय 'रिदम ऑफ कलर' प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। 29 व 30 जून को आयोजित इस प्रदर्शनी में शहर की गृहिणी व नवोदित महिला उद्यमियों को अपने व्यवसाय के प्रचार-प्रसार व विस्तार का अवसर प्रदान किया गया। 30 स्टॉल्स के माध्यम से महिलाओं ने ज्वेलरी, बैग, ड्रेस, गिफ्ट आइटम्स, हैंडीक्राफ्ट व होम डेकोर जैसे रचनात्मक उत्पादों का प्रदर्शन कर प्रतिभा और परिश्रम का परिचय दिया। इस आयोजन को देखने भारी संख्या में शहरवासी पहुंचे और उत्पादों को सराहा। प्रदर्शनी का शुभारंभ शहर की प्रतिष्ठित उद्यमी महिलाएं डॉ. श्रद्धा गट्टानी, विजयी लक्ष्मी गलूंडिया, डॉ. सोनू जैन, कविता बलदावा, मंजू गांधी द्वारा किया गया। अतिथियों ने महिलाओं की भागीदारी और 'पंख' समूह की इस पहल की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाते हैं। प्रो. विमल शर्मा मीडिया समन्वयक ने बताया कि एक विशिष्ट विशेषता यह रही कि इसमें जेल कैदियों द्वारा निर्मित उत्पादों को भी निशुल्क प्रदर्शित किया गया, जिससे समाज में पुनर्वास की भावना को बल मिला। 'पंख' समूह की चार संस्थापक सदस्य – स्नेह मालिनी, गरिमा राठी, पूनम काबरा और नेहा दरक ने बताया कि उनका उद्देश्य महिलाओं को घर की चारदीवारी से बाहर निकालकर समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। उन्होंने बताया कि समूह का आगामी कार्यक्रम वृद्धाश्रमों व निराश्रित गृहों में रह रही महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा उनकी प्रतिभा को समाजोपयोगी दिशा देने पर केंद्रित रहेगा। प्रदर्शनी में भाग लेने वाली प्रमुख महिला उद्यमियों में शामिल रहीं: आभा मेहता, प्रीति छाजेड़, प्रियंका राठी, श्रद्धा बैद, भारती बाफना, रितु लुंकड़, ममता बाफना, निधि मेहता, शिल्पा हिंगड़, स्वाति मेहता, पायल समदड़िया, दीपा नाहर, मधु छाजेड़, निधि तलेसरा, श्वेता लुंकड़, दर्शना तलेसरा, शिल्पा बाफना, पूनम फत्तावत, प्रेरणा जैन, गरिमा समदड़िया, श्वेता हिंगड़, ललिता मांडोत, भावना छाजेड़, आशा नाहटा, सुमन मेहता, पायल बाफना, रीना समदड़िया, कनिका छाजेड़, रेखा बाफना, रेखा मांडोत।

राजकीय अल्पसंख्यक बालिका छात्रावास में प्रवेश के लिए आवेदन 15 जुलाई तक

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 30 जून। राजकीय अल्पसंख्यक बालिका छात्रावास, उदयपुर में कक्षा 9 से उच्च कक्षाओं /पाठ्यक्रमों/कोचिंग संस्थाओं (विधालय / महाविधालय/ शिक्षण संस्थाएं / व्यवसायिक संस्थाए आदिं) में अध्ययनरत अल्पसंख्यक छात्राओं (मुस्लिम,सिख,ईसाई,जैन,बौद्व ,पारसी) से शैक्षणिक सत्र 2025-26 की अवधि में प्रवेश के लिए आवेदन मांगे गए है। छात्रावास में आवास, भोजन इत्यादि सुविधाएँ नियमानुसार निःशुल्क उपलब्ध रहेगी। आवेदन-प्रपत्र, आवश्यक दस्तावेजों संबंधी विस्तृत जानकारी विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है। इच्छुक छात्राओं द्वारा आवेदन पत्र मय वांछित दस्तावेज के 15 जुलाई, 2025 तक कार्यालय जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कमरा संख्या 401,नई बिल्डिंग कलेक्ट्रेट उदयपुर में व्यक्तिशः अथवा ई-मेल आईडी युडीपीआर डॉट माइनो एड जीमेल डॉट कॉम पर भी प्रेषित किया जा सकता है।

13 साल की बच्ची ने खुद रचा अपहरण का ड्रामाः डांट से नाराज होकर लिखा फिरौती वाला नोट, 5 घंटे बाद गली में मिली

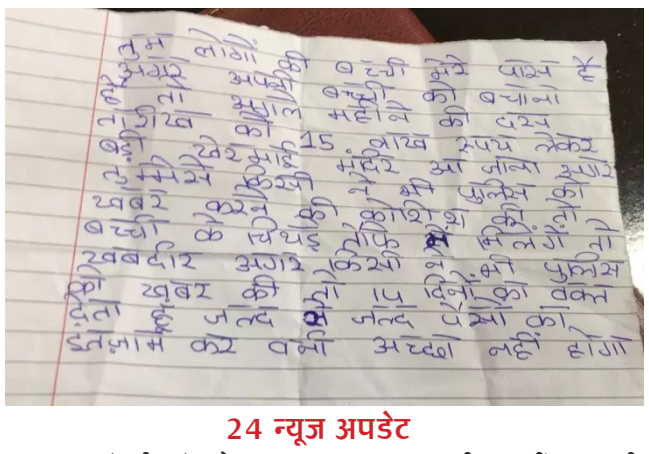

24 न्यूज अपडेट

जबलपुर। मां की डांट से नाराज एक 13 साल की सातवीं कक्षा की छात्रा ने खुद के अपहरण की झूठी कहानी रच डाली। बच्ची ने घर पर एक एक पन्ने का फिरौती वाला धमकी भरा नोट छोड़ दिया और गायब हो गई। नोट में 15 लाख रुपये की मांग करते हुए लिखा था कि यदि पुलिस को खबर दी तो "बच्ची के चिथड़े तोहफे में मिलेंगे।" डांट से नाराज होकर बनाई योजना, गुल्लक तोड़ी और निकल पड़ी घटना रविवार दोपहर प्रियदर्शनी कॉलोनी, खमरिया थाना क्षेत्र की है। बच्ची को मोबाइल चलाने, दोस्तों से बात करने और लिपस्टिक लगाने से मना किया गया था। इससे नाराज होकर उसने बाहर रहने का मन बनाया। इसके लिए उसने अपनी गुल्लक तोड़ी और घर से नोट लिखकर निकल गई।

फिरौती के लिए लिखा डरावना नोट

बच्ची ने खुद अपने हाथों से लिखा – "तुम लोगों की बच्ची हमारे पास है। अगर उसे बचाना है तो अगले महीने की 10 तारीख को 15 लाख रुपए लेकर बड़ी खेरमाई मंदिर आ जाना। अगर किसी ने भी पुलिस को खबर की तो बच्ची के चिथड़े तोहफे में मिलेंगे। तुम्हें 14 दिन का वक्त देते हैं, जल्दी से पैसों का इंतजाम करो, वरना अंजाम बुरा होगा।"

परिजनों में हड़कंप, पुलिस अलर्ट

परिजन जब बच्ची को आसपास ढूंढकर नहीं पाए, तो उन्होंने नोट देखा और पुलिस को सूचना दी। मामला नाबालिग से जुड़ा होने के कारण खमरिया थाना पुलिस के साथ-साथ जबलपुर से भोपाल तक पुलिस अलर्ट हो गई। सीएसपी सतीष साहू और थाना प्रभारी सरोजनी चौकसे मौके पर पहुंचे। पुलिस ने इलाके के CCTV कैमरे खंगाले और ऑटो चालकों से पूछताछ की। एक ऑटो चालक ने बताया कि वह बच्ची को सदर इलाके में छोड़कर आया था।

पांच घंटे में ढूंढ निकाला, गलियों में घूम रही थी

बच्ची की फोटो के आधार पर सदर गली नंबर-7 में खोजबीन शुरू की गई। आखिरकार करीब 5 घंटे बाद पुलिस ने बच्ची को वहां से ढूंढ निकाला। पुलिस ने नोट की हैंडराइटिंग बच्ची की स्कूल कॉपियों से मिलाई, तो पुष्टि हो गई कि नोट उसी ने लिखा था। पूछताछ में बच्ची ने बताया कि वह एक महीने तक बिना रोक-टोक और डांट के शांति से रहना चाहती थी, इसलिए यह अपहरण की झूठी कहानी गढ़ डाली। पुलिस अब बच्ची के परिवार को काउंसलिंग की सलाह दे रही है ताकि वह मानसिक रूप से स्थिर रह सके और दोबारा ऐसा कदम न उठाए।

शेफाली जरीवाला जवान बने रहने की दवा ले रही थीं – क्या इसी वजह से हुई मौत? जानिए क्या है ग्लूटाथियॉन

24 न्यूज अपडेट

मुंबई। 'कांटा लगा' फेम अभिनेत्री शेफाली जरीवाला की असामयिक मौत ने पूरे मनोरंजन जगत को झकझोर कर रख दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शेफाली जवान और चमकती त्वचा बनाए रखने के लिए ग्लूटाथियॉन (Glutathione) इंजेक्शन ले रही थीं। अब सवाल उठ रहा है – क्या ग्लूटाथियॉन ही उनकी मौत की वजह बना? क्या है ग्लूटाथियॉन?

ग्लूटाथियॉन शरीर में प्राकृतिक रूप से बनने वाला एक एंटीऑक्सीडेंट है, जो कोशिकाओं को फ्री रेडिकल्स और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाता है। यह डिटॉक्सिफिकेशन, इम्युनिटी बढ़ाने और त्वचा को उजला बनाने में मदद करता है। यही वजह है कि इसे "एंटी-एजिंग और स्किन लाइटनिंग दवा" के रूप में खूब प्रचारित किया जाता है।

कैसे किया जाता है इसका इस्तेमाल?

इंजेक्शन, कैप्सूल और क्रीम के रूप में ग्लूटाथियॉन का सेवन किया जाता है। बॉलीवुड और फैशन वर्ल्ड में त्वचा को गोरा व जवां बनाए रखने के लिए IV ग्लूटाथियॉन थेरेपी का चलन तेजी से बढ़ा है। हालांकि, इसके दीर्घकालिक साइड इफेक्ट्स को लेकर चिकित्सक सतर्कता बरतने की सलाह देते हैं।

क्या इससे मौत हो सकती है?

AIIMS और FDA जैसी संस्थाओं के अनुसार, यदि ग्लूटाथियॉन का अधिक डोज लिया जाए, खासकर इंजेक्शन के रूप में, तो इसके गंभीर साइड इफेक्ट हो सकते हैं: किडनी या लिवर फेलियर सांस लेने में तकलीफ एलर्जिक रिएक्शन ब्लड प्रेशर का गिरना इम्यून सिस्टम पर प्रभाव क्या शेफाली की मौत का कारण ग्लूटाथियॉन था? हालांकि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट अभी सार्वजनिक नहीं हुई है, लेकिन सूत्रों के अनुसार, शेफाली नियमित रूप से त्वचा में निखार लाने वाले ग्लूटाथियॉन इंजेक्शन ले रही थीं। मेडिकल एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह अतिसंवेदनशील रिएक्शन या ऑर्गन फेलियर का कारण बन सकता है।

एक्सपर्ट्स की रायः डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ. रीना गुप्ता कहती हैं, "ग्लूटाथियॉन एक मेडिकल थेरेपी नहीं, बल्कि कॉस्मेटिक उपचार है। इसे केवल डॉक्टर की निगरानी में लेना चाहिए। कई बार मार्केट में मिलने वाले घटिया या मिलावटी इंजेक्शन जानलेवा साबित हो सकते हैं।" भारत में ग्लूटाथियॉन इंजेक्शन को लेकर सख्त नियम नहीं हैं, जबकि अमेरिका और यूरोप में यह केवल डॉक्टर की प्रिस्क्रिप्शन पर मिलता है। यहां यह ब्यूटी क्लीनिकों में बिना निगरानी के दिया जाता है, जो एक गंभीर स्वास्थ्य जोखिम है।

सीमावर्ती जिलों में फिर लगा ट्रांसफर पर बैन

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजस्थान सरकार ने एक बार फिर राज्य के सीमावर्ती जिलों में ट्रांसफर पर दी गई छूट को हटा लिया है। प्रशासनिक सुधार और समन्वय विभाग के सचिव जोगा राम द्वारा सोमवार को इस संबंध में आदेश जारी किए गए। इसके साथ ही सीमावर्ती इलाकों में कार्यरत अधिकारियों व कर्मचारियों के तबादले पर दोबारा पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। गौरतलब है कि मई 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के चलते राज्य सरकार ने 8 व 9 मई को ट्रांसफर बैन में सीमावर्ती जिलों के लिए आंशिक छूट दी थी। इसका मकसद था – इन संवेदनशील क्षेत्रों में प्रशासनिक कार्यक्षमता को मजबूत करना और तत्काल आवश्यक पदों को भरना। इसी के तहत बड़ी संख्या में राजस्थान प्रशासनिक सेवा (RAS), एलडीसी, यूडीसी और अन्य विभागों के कार्मिकों को बाड़मेर, जैसलमेर, श्रीगंगानगर, जोधपुर, बीकानेर और फलोदी जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात किया गया था।

विवाद खत्म, अब फिर ट्रांसफर की मांग

विवाद की तीव्रता कम होते ही इन जिलों में तैनात अधिकारी-कर्मचारी फिर से अन्य जिलों में तबादले की मांग करने लगे थे। इसे देखते हुए राज्य सरकार ने स्पष्ट संदेश देते हुए फिर से ट्रांसफर बैन लागू कर दिया है, जिससे सीमावर्ती क्षेत्रों की स्थिरता व प्रशासनिक कार्य संचालन में कोई बाधा न आए।

किन जिलों पर लागू हुआ ट्रांसफर बैन?

अब प्रदेश के अन्य जिलों की तरह निम्न सीमावर्ती जिलों में भी ट्रांसफर पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगाः बाड़मेर जैसलमेर बीकानेर श्रीगंगानगर जोधपुर फलोदी (जोधपुर संभाग)

RPSC सहायक आचार्य भर्ती परीक्षाः 329 पदों के लिए एडमिट कार्ड जारी, 3-4 जुलाई को अजमेर में होगी परीक्षा

24 न्यूज अपडेट

अजमेर। राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC) की ओर से चिकित्सा शिक्षा विभाग में सहायक आचार्य (Assistant Professor) भर्ती परीक्षा 3 और 4 जुलाई 2025 को अजमेर जिला मुख्यालय पर आयोजित की जाएगी। 329 पदों के लिए होने वाली इस परीक्षा के एडमिट कार्ड आयोग की वेबसाइट और एसएसओ पोर्टल पर अपलोड कर दिए गए हैं।

असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती पद विवरण

राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा चिकित्सा शिक्षा विभाग में सहायक आचार्य (Assistant Professor) के कुल 329 पदों पर भर्ती की जा रही है। इनमें ब्रॉड स्पेशिएलिटी के अंतर्गत 237 पद तथा सुपर स्पेशिएलिटी के अंतर्गत 92 पद निर्धारित हैं।

ब्रॉड स्पेशिएलिटी (237 पद): जनरल मेडिसिन 45, जनरल सर्जरी 36, शिशु औषध 27, रेडियोडायग्नोसिस 34, अस्थि रोग 18, स्त्री एवं प्रसूति रोग 15, मनोरोग 03, नेत्र (ऑफ्थेल्मोलॉजी) 06, ENT (ईएनटी) 05, निश्चेतन 05, त्वचा एवं यौन रोग (स्किन एंड वीडी) 04, रेडियोथैरेपी 06, रेस्पिरेटरी मेडिसिन/टीबी एंड चेस्ट 01, पैलियेटिव मेडिसिन 01, जीरियाट्रिक्स 02, फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन 06, ट्रोमेटोलॉजी एंड सर्जरी 01।
सुपर स्पेशिएलिटी (92 पद): न्यूरोसर्जरी 13, सर्जिकल गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी 11, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी 10, न्यूरोलॉजी 09, मेडिकल ऑन्कोलॉजी 09, नेफ्रोलॉजी 08, गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी 07, यूरोलॉजी 06, प्लास्टिक एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी 05, शिशु शल्य 04, कार्डियोलॉजी 03, नियोनेटोलॉजी 03, पीडियाट्रिक कार्डियोथोरेसिक एंड वैस्कुलर सर्जरी 01, पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी 01, क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी एंड रुमेटोलॉजी 01, वायरोलॉजी 01।

अजमेर दरगाह में हजरत बाबा फरीद का चिल्ला खोला, जियारत के लिए उमड़े जायरीन

24 न्यूज अपडेट

अजमेर। विश्व प्रसिद्ध ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह शरीफ स्थित हजरत बाबा फरीद गंज-ए-शकर का चिल्ला सोमवार तड़के 4:30 बजे खोला गया। मोहर्रम की 4 तारीख पर खोले गए इस चिल्ले की 72 घंटे तक जियारत की जा सकेगी। चिल्ला खुलते ही देश के विभिन्न हिस्सों से आए जायरीन की भीड़ उमड़ पड़ी और दरगाह क्षेत्र में भारी रौनक दिखाई दी।

इबादत का ऐतिहासिक स्थल

बता दें कि हजरत बाबा फरीद का मजार तो पाक पट्टन (पाकिस्तान) में है, लेकिन अजमेर की दरगाह में स्थित यह चिल्ला वह स्थल है, जहां बाबा फरीद ने इबादत की थी। इसी कारण से मोहर्रम के अवसर पर यह चिल्ला परंपरागत रूप से खोला जाता है और अकीदतमंद यहां पहुंचकर विशेष जियारत करते हैं।

मोहर्रम के रसूमात में बढ़ी आवाजाही

मोहर्रम के अवसर पर हाईदौस खेलने, ताजिया शरीफ निकालने जैसी रस्मों के लिए भी यूपी, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, मध्यप्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से जायरीन अजमेर पहुंचे हैं। कायड़ विश्राम स्थली, दरगाह क्षेत्र और आसपास के बाजारों में आवक से उत्सव जैसा माहौल बन गया है।

प्रशासन मुस्तैद, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

जिला प्रशासन की ओर से जायरीन की सुगम आवाजाही और सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। हाईदौस मार्ग, ताजिया मार्ग और बाजारों में झूलते बिजली के तारों की मरम्मत के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस, होमगार्ड्स और नगर निगम की टीमें क्षेत्र में तैनात हैं। धार्मिक आस्था और सांप्रदायिक सौहार्द का प्रतीक हजरत बाबा फरीद का चिल्ला हर वर्ष धार्मिक आस्था, सूफी परंपरा और भाईचारे का प्रतीक बनकर उभरता है। अजमेर की दरगाह में हर धर्म के लोग पहुंचते हैं और अमन-चैन की दुआ करते हैं। मोहर्रम के इन दिनों में अजमेर आस्था, श्रद्धा और सूफियाना रंग में रंगा नजर आता है।

ओमान भेजी जा रही चूरू की युवती मानव तस्करों के जाल से बची, सोशल मीडिया पर ब्रेनवॉश कर पासपोर्ट बनवाया, गहने-नकदी भी साथ लाई थी

24 न्यूज अपडेट

चूरू/दिल्ली। राजस्थान के चूरू जिले की 18 वर्षीय युवती को ओमान भेजे जाने से पहले दिल्ली एयरपोर्ट से पुलिस ने डिटेन कर लिया। समय रहते की गई इस कार्रवाई से एक बड़ी मानव तस्करी की साजिश नाकाम हो गई। युवती सोशल मीडिया पर ओमान निवासी मोहम्मद इस्लाम के संपर्क में आई थी, जिसने उसे हाई-प्रोफाइल जीवन का सपना दिखाकर अपने जाल में फंसा लिया था। तीन महीने पहले ही बनवाया पासपोर्ट, सोना-नकदी लेकर घर से भागी चूरू एसपी जय यादव ने बताया कि आरोपी इस्लाम ने युवती को बहला-फुसलाकर पासपोर्ट बनवाया और उसे ओमान बुला लिया। युवती ने घरवालों से झूठ बोलकर तीन-चार महीने पहले पासपोर्ट तैयार करवा लिया। बीते रविवार को वह एक लाख रुपये नकद और सोने-चांदी के जेवरात लेकर दिल्ली एयरपोर्ट पहुंची। यहां उसने इमिग्रेशन की प्रक्रिया भी पूरी कर ली थी और फ्लाइट में चढ़ने ही वाली थी।

आरोपी ने ओमान में बेचने की रची थी साजिश

पुलिस की प्राथमिक जांच में सामने आया है कि आरोपी का मकसद युवती को मस्कट (ओमान) ले जाकर बेचना या मानव तस्करी में झोंकना था। आरोपी ने युवती को घर से दिल्ली एयरपोर्ट तक पहुंचाने के लिए गाड़ी की व्यवस्था भी खुद कर रखी थी। वहीं, मस्कट एयरपोर्ट पर उसे रिसीव करने के लिए खुद आने की बात कही थी।

दो घंटे में रेस्क्यू प्लान, दिल्ली पुलिस से समन्वय

एसपी जय यादव ने बताया कि जब परिजनों ने युवती के गुम होने की सूचना दी, तो जांच में पता चला कि वह ओमान जाने की तैयारी में है। तारानगर से दिल्ली पहुंचने में चार से पांच घंटे का समय लगता, लेकिन पुलिस के पास सिर्फ दो घंटे का वक्त था क्योंकि युवती की शाम 7 बजे की फ्लाइट थी। पुलिस ने तुरंत दिल्ली एयरपोर्ट एसीपी से संपर्क कर आधिकारिक ईमेल भेजा, और दिल्ली एयरपोर्ट थाना पुलिस से समन्वय किया। एयरपोर्ट पर फ्लाइट में बैठने से ठीक पहले, युवती को सुरक्षा कतार से बाहर निकालकर डिटेन कर लिया गया।

समय रहते रेस्क्यू से टली बड़ी घटना

एसपी यादव ने बताया कि यदि युवती मस्कट पहुंच जाती, तो संभव था कि वह किसी मानव तस्करी गिरोह के शिकंजे में फंस जाती या फिर उसे बेच दिया जाता। पुलिस की त्वरित कार्रवाई, दिल्ली पुलिस और एयरपोर्ट अधिकारियों के तालमेल से एक बड़ी मानव तस्करी की वारदात टल गई और युवती का जीवन बच गया।

पेरेंट्स रहें सतर्क, बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर रखें नजर

एसपी ने इस मामले को सोशल मीडिया के ज़रिए हो रहे साइबर ब्रेनवॉश और मानव तस्करी की नई तकनीकों का उदाहरण बताया। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों की मोबाइल गतिविधियों पर नजर रखें और यह सुनिश्चित करें कि वे किससे संपर्क में हैं और क्या बातें कर रहे हैं। "आजकल कई तस्कर विदेशी नंबरों और नकली प्रोफाइल से बच्चों को हाई-प्रोफाइल जिंदगी का सपना दिखाकर जाल में फंसा रहे हैं। थोड़ी सी लापरवाही बहुत बड़ी घटना में बदल सकती है," — एसपी जय यादव

राजा रघुवंशी हत्याकांडः शिलोम के ससुराल से मिले सोनम के गहने और लैपटॉप, इसी से बुक हुए थे शिलॉन्ग के टिकट; साजिश में शामिल होने के और पुख्ता सबूत

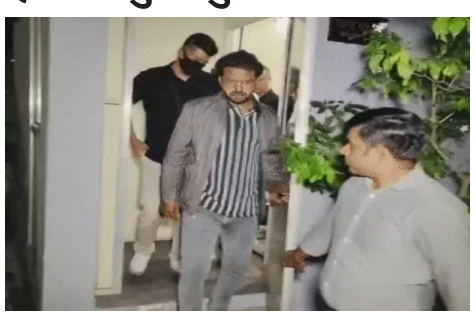

24 न्यूज अपडेट

इंदौर। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड की जांच में जुटी मेघालय पुलिस की एसआईटी टीम ने एक बार फिर मध्यप्रदेश में बड़ी कार्रवाई करते हुए शिलोम जेम्स के रतलाम स्थित ससुराल और इंदौर के घर पर तलाशी ली। इस दौरान शिलोम के ससुराल से राजा की पत्नी सोनम का लैपटॉप, गहने और पेनड्राइव जब्त की गई है। सूत्रों के अनुसार, राजा और सोनम के हनीमून ट्रिप के शिलॉन्ग टिकट इसी लैपटॉप से बुक किए गए थे, जिसकी ब्राउज़र हिस्ट्री को बाद में डिलीट किया गया था।

लैपटॉप में मिले साजिश के सुराग

जांच में यह भी सामने आया है कि सोनम ने केवल शिलॉन्ग ही नहीं, बल्कि कुछ अन्य शहरों को भी चिह्नित किया था, जहां वह पति राजा की हत्या की योजना बना रही थी। ये सारी जानकारी लैपटॉप की डिलीट की गई सर्च हिस्ट्री से सामने आई है। साथ ही, लैपटॉप में कुछ निजी कंपनियों से जुड़े दस्तावेज और फाइनेंशियल डेटा भी बरामद हुए हैं।

विपिन रघुवंशी ने की गहनों की शिनाख्त

क्राइम ब्रांच ने सोमवार को राजा के भाई विपिन रघुवंशी को बुलाया था। उन्होंने बताया कि शादी के बाद सोनम को करीब 15 लाख रुपए के जेवर दिए गए थे। जब्त किए गए गहनों में से कुछ की शिनाख्त विपिन ने की है। इससे यह संकेत मिल रहा है कि सोनम न सिर्फ इस हत्याकांड में संलिप्त थी, बल्कि पूर्व-नियोजित साजिश में भी उसकी भूमिका प्रमुख रही।

सीधे शिलोम के पास से मिले पुख्ता सबूत

शिलॉन्ग पुलिस की एसआईटी शनिवार रात इंदौर पहुंची थी। रात में शिलोम के घर छापेमारी के बाद, रविवार को रतलाम के मंगलमूर्ति कॉलोनी स्थित ससुराल में सर्चिंग की गई। यहां से एक बैग जब्त किया गया, जिसमें सोनम का लैपटॉप व गहने थे। टीम में शिलोम, उसकी पत्नी और साली भी साथ थीं, लेकिन उन्हें इंदौर लौटते समय साथ नहीं ले जाया गया। सोमवार को क्राइम ब्रांच ऑफिस में शिलोम से पूछताछ की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, हत्या के बाद शिलोम लगातार कुछ लोगों के संपर्क में था और मोबाइल पर बातचीत कर रहा था। एसआईटी अब उन लोगों की पहचान और भूमिका की जांच कर रही है।

ससुर मनोज गुप्ता फरार, घर पर ताला

शिलोम का ससुर मनोज गुप्ता, जो म्यूचुअल फंड एजेंट है, घटना के बाद से फरार है। पिछले 15 दिनों से घर पर ताला लगा हुआ था। स्थानीय लोगों को भी उनके बारे में कोई जानकारी नहीं है। एसआईटी को शक है कि शिलोम की गिरफ्तारी के बाद मनोज को अपने ऊपर कार्रवाई का डर था, इसलिए वह लापता हो गया।

शिलोम का प्रोफाइलः हॉस्टल और बिल्डिंग का कारोबारी

मूल रूप से रतलाम निवासी शिलोम जेम्स ने प्रेम विवाह किया था। इंदौर में रहकर हॉस्टल और बिल्डिंग किराए पर लेकर ठेके पर चलाता था। पुलिस सूत्रों का कहना है कि राजा हत्याकांड से जुड़े सबसे ठोस और डिजिटल सबूत शिलोम के पास से ही बरामद हुए हैं।

झूठे आश्वासनों का बोटलनेक

शक्तिगर बोटलनेक : निगम को है बड़े हादसे का इंतजार

24 न्यूज अपडेट

शक्तिनगर बोटल नेक अब राजनीतिक और प्रशासनिक फेल्योर का बोटल नेक बन चुका है। पिछले एक साल से ज्यादा समय से यहां पर शानदार सड़क बनने के सब्जबाग दिखाए जा रहे हैं जो शायद निकट भविष्य में पूरे होते हुए नहीं दिखाई दे रहे हैं। प्रशासन ने मुआवजा और जमीन देने के झूठे आश्वासन पर यहां के निवासियों के साथ खुलेआम छल कर दिया। बड़े ही जोर-शोर से प्रचारित किया गया था कि इस बोटल नेक के खुलने से यातायात व्यवस्था में सुधार हो जाएगा। लोग सूरजपोल से सीधे ही इस रास्ते से होते हुए शास्त्री सर्कल और फिर आगे का रास्ता सुगम तरीके से तय कर सकेंगे। लेकिन हुआ कुछ भी नहीं। बोटलनेक में जिन लोगों के घर का कुछ हिस्सा आ रहा था उनके लाखों का खर्च करवा दिया और जब मुआवजे की बात आई तो मामला फाइलों में दबा दिया गया। अब लोकल अथॉरिटी कहती है कि फाइल जयपुर में है तो जयपुर वाले कहते हैं कि मुआवजे की शर्तों के अनुसार मुआवजा देना संभव ही नहीं है। विधायक महोदय ने चार महीने पहले कहा था कि नए नियमों के अनुसार फिर से उपर के स्तर पर अनुमति लेनी होगी। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि प्रशासनिक और पॉलिटिकल की वजह से यह बोटलनेक नहीं खुल पा रहा है। हमने जब इस बोटलनेक वाले रास्ते का जायजा लिया तो देखा कि रास्ता जर्जर हो रहा है। नालियों पर लगाए गए ढक्कन कभी भी धंस सकते हैं। रास्ते को सबसे ज्यादा नुकसान नगर निगम के भारी वाहन पहुंचा रहे हैं। अब बोटल नेक नहीं खुला है मगर यहां से रोज बिना नंबरों वाले डंपर गुजर रहे हैं। इसके अलावा कई-कई चार पहिया वाहन भी यहां से निकल रहे हैं। ऐसे में दिन में कई-कई बार जाम की स्थिति बन जाती है। दोनों तरफ भराव पड़ा होने से भयंकर हादसे का अंदेशा है। सड़क सुरक्षा की बात करने वाला प्रशासन ऐसे खतरनाक रास्ते के प्रति उदासीन आखिर क्यां बना हुआ है। राहगीरें का कहना है कि या तो बोटल नेक खोला जाए या फिर बंद कर दिया जाए। इस तरह से अधरझूल में लटकाने से यह डेंजर जोन बन गया है। थोड़ी सी लपरवाही की कीमत किसी को जान देकर चुकानी पड़ सकती है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि उनके साथ छल किया गया है। मुआवजा क्या तय करना है यह तो खुद जिला प्रशासन, निगम और नेताओं ने नियमानुसार तय किया। उसके बाद ही उन्होंने मकानों को तुड़वा कर सड़क के लिए रास्ता बनाया। अब लाखों खर्च होने के बाद चक्कर पर चक्कर दे रहे हैं व मुकर रहे हैं। इधर नेता चक्कर देते हैं, उधर अधिकारी मामले को जलेबी बना देते हैं। ऐसे में वे जाएं तो हां जाएं, किसके पास गुहार लगाएं। हमारा मानना है किस बोटलनेक पर अनियंत्रित तरीके से भारी वाहनों का आना खतरनाक है, इसे तत्काल रोका जाना चाहिए। केवल दुपहिया वाहनों के लिए भी प्रवेश रास्ते को ठीक करवाने के बाद ही दिया जाए। मौके पर गार्ड भी तैनात किया जाए। अगर संभव नहीं हो तो पूरा रास्ता ही बंद कर दिया जाए।

उदयपुर में राष्ट्रीय मेवाड़ कप कराटे चैंपियनशिप 2025 संपन्न – देशभर के 250 खिलाड़ियों ने लिया भाग

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। तीसरी राष्ट्रीय मेवाड़ कप कराटे चैंपियनशिप 2025 का आयोजन केवीएस कराटे एकेडमी, उदयपुर द्वारा वर्सटाइल शोतोकन फाउंडेशन के तत्वावधान में सेक्टर-14 स्थित सुहालका भवन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में देशभर के छह राज्यों – महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली और राजस्थान से 250 से अधिक कराटे खिलाड़ी शामिल हुए।

हर आयु वर्ग के खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

आयोजक तपन शर्मा ने बताया कि चैंपियनशिप में काता और कुमिते दोनों वर्गों में 4 वर्ष से 18 वर्ष से अधिक आयु के खिलाड़ियों ने उद्घाटन समारोह में दिखा उत्साह चैंपियनशिप का शुभारंभ उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, मंडल अध्यक्ष अमृतलाल मेनारिया और आयोजकों की उपस्थिति में हुआ। विधायक मीणा ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं युवा प्रतिभाओं को मंच देती हैं। उन्होंने बाहर से आए खिलाड़ियों को प्रताप गौरव केंद्र देखने और महाराणा प्रताप के शौर्य से प्रेरणा लेने का भी आग्रह किया। भाग लिया। कार्यक्रम की मुख्य समन्वयक और यूडीकेए वाइस प्रेसिडेंट सेंसई नीलमणि पंवार ने कहा कि इस आयोजन ने खिलाड़ियों को न केवल प्रतिस्पर्धा का अवसर दिया, बल्कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान का भी मंच प्रदान किया। पुरस्कार विजेताओं की सूची रे मार्शल आर्ट, उदयपुर को सबसे बड़ी टीम का पुरस्कार मिला। रेसिस्टेन्स मार्शल आर्ट एकेडमी, बांसवाड़ा को दूसरा स्थान वुमन सेल्फ डिफेंस एकेडमी, उदयपुर को तीसरी बड़ी टीम का खिताब मिला। काता और कुमिते इवेंट में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त टीमों को क्रमशः 5100, 3100 और 2100 के नगद पुरस्कार दिए गए। इसके अतिरिक्त कुमिते में गोल्ड मेडल जीतने वाले सभी खिलाड़ियों को 500 नगद पुरस्कार और ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

"Youth Connectivity" समूह की प्रथम वर्षगांठ पर हुआ भव्य आयोजन - उत्सव, ऊर्जा और आत्मीयता की अनूठी मिसाल

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। उदयपुर स्थित माइलस्टोन रिसोर्ट में "Youth Connectivity" समूह ने अपनी प्रथम वर्षगांठ अत्यंत हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाई। "Celebration of Entertainment" थीम पर आधारित इस आयोजन में युवाओं की भागीदारी ने इसे एक जीवंत और आत्मीय उत्सव में बदल दिया। आयोजन में सहभागियों ने न केवल मौज-मस्ती की, बल्कि आपसी जुड़ाव और समझ को भी नए स्तर पर अनुभव किया। कार्यक्रम की शुरुआत दोपहर 2 बजे स्वागत पेय और पूल टाइम से हुई। इस दौरान स्विमिंग, स्नैक्स और आपसी संवाद के माध्यम से सभी प्रतिभागियों ने एक-दूसरे से परिचय और अपनापन महसूस किया। मनोरंजन और सामूहिक भागीदारी को ध्यान में रखते हुए बाल पासिंग, रस्साकशी, बलून एक्टिविटी, म्यूजिक डांस और स्विमिंग रेस जैसी कई रोचक प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। युवाओं की उमंग और प्रतिस्पर्धा की भावना से पूरा माहौल जीवंत हो उठा। कार्यक्रम के केंद्र में रहा समूह के संस्थापक सदस्य डॉ. निलेश जैन का प्रेरणादायक और भावनात्मक संबोधन। उन्होंने कहा, "कुछ रिश्ते खून से नहीं, अपनत्व से बनते हैं, और Youth Connectivity भी ऐसा ही एक परिवार है। जून 2024 में जब यह समूह बना, तब सपना बस इतना था कि हम सभी वर्ष में एक बार जरूर मिलें, खुलकर हँसें, खुलकर जिएं और दिल से जुड़ें।" उन्होंने यह भी बताया कि इस पूरे वर्ष के दौरान समूह ने मात्र 10 प्रति माह की सहयोग राशि ली, लेकिन बदले में जो जुड़ाव, मुस्कानें और यादें मिलीं, वे किसी भी कीमत से कहीं अधिक मूल्यवान हैं। इसके अतिरिक्त, Fun & Interrogation सत्र ने सभी को हँसी और चुटीले संवादों से भरपूर मनोरंजन दिया। Self-Gathering Ceremony में सदस्यों ने एक-दूसरे के साथ आत्मीय अनुभव साझा किए और रिश्तों को प्रगाढ़ता दी। Best Lucky Person Game में दीपक जैन को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ, जिन्हें श्यामलाल आमेटा द्वारा स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। आयोजन के अनेक यादगार पलों को कैमरे में कैद कर ग्रुप सेल्फीज और तस्वीरों के ज़रिए संजोया गया। सभी उपस्थित सदस्यों से आयोजन के अंत में उनके मूल्यवान फीडबैक लिए गए, जिसे दिया जैन और विशुद्ध जैन ने पूरी तत्परता से संकलित किया। सभी प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम को "स्मरणीय", "उत्साहवर्धक" और "हृदयस्पर्शी" बताया। कार्यक्रम के समापन पर डॉ. निलेश जैन ने भावुकता के साथ कहा, "हम फिर मिलेंगे — और पहले से भी ज़्यादा उमंग, अपनापन और यादों के साथ लौटेंगे। क्योंकि इंतज़ार केवल उसी का किया जाता है जो दिल से जुड़ा हो — और Youth Connectivity दिलों को ही तो जोड़ता है।"

वनरक्षक भर्ती पेपर लीक मामला: सरकारी नौकरी लगने से पहले शराब की दुकान चलाता था गोविंद, जेल भेजा, अब तक 35 गिरफ्तारियां

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा। वनरक्षक भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में गिरफ्तार आरोपी गोविंद तेतरवाल को 11 दिन की पुलिस रिमांड के बाद सोमवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। आरोपी गोविंद वाणिज्य कर विभाग जोधपुर में कार्यरत था और उसकी भूमिका पेपर लीक गिरोह में अहम मानी जा रही है। पूछताछ के दौरान गोविंद ने तीन लोगों को पेपर पढ़ाने की बात स्वीकार की है। साथ ही, उसके साले की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है, जो फिलहाल फरार है। एसओजी टीम उसकी तलाश में लगातार दबिश दे रही है। एसओजी के एएसआई सुनील कुमार ने बताया कि इस मामले में अभी और गिरफ्तारियां हो सकती हैं। गिरोह की परतें धीरे-धीरे खुल रही हैं। अब तक एसओजी की टीम कुल 35 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। मामले की जांच एएसपी भवानी शंकर के सुपरविजन में की जा रही है। जबराराम से संपर्क और पेपर डीलिंग गौरतलब है कि इस पूरे प्रकरण का मुख्य सूत्रधार जबराराम जाट है, जिससे गोविंद तेतरवाल 2013 से संपर्क में था। वर्ष 2018 में सरकारी नौकरी लगने से पहले गोविंद कल्याणपुरा में शराब की दुकान चलाता था। यहीं से उसकी संदिग्ध गतिविधियों की शुरुआत मानी जा रही है। शराब दुकान पर काम करने वाले हीराराम के परिजन ओमप्रकाश और प्यारी को गोविंद ने 3.5-3.5 लाख रुपए लेकर पेपर उपलब्ध करवाया था। इसी तरह उसने अपने चचेरे भाई सुरेंद्र को भी उसी रकम में पेपर पढ़ाया। पूछताछ में सामने आया है कि यह रकम गोविंद ने आगे जबराराम को दी थी। फिलहाल प्यारी को गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि ओमप्रकाश परीक्षा में फेल हो गया था, लेकिन उस पर भी पेपर लीक मामले में भूमिका का आरोप है। सरकारी परिवार की परतें खुलेंगी एसपी भवानी शंकर के अनुसार, गोविंद के परिवार के एक दर्जन सदस्य विभिन्न सरकारी विभागों में कार्यरत हैं। ऐसे में संदेह है कि कहीं यह नेटवर्क परिवार या रिश्तेदारों तक फैला तो नहीं है। इस दिशा में जांच की जा रही है और सभी की पृष्ठभूमि को खंगाला जाएगा। मार्च में गोविंद तेतरवाल कुछ दिनों की छुट्टी लेकर अपने विभाग से गया था, लेकिन उसके बाद वह ड्यूटी पर नहीं लौटा। विभाग द्वारा नोटिस देने के बावजूद कोई उत्तर नहीं मिला, जिससे उसका वेतन भी रोक दिया गया था। एसओजी ने उसे 19 जून को गिरफ्तार किया और 20 जून को बांसवाड़ा कोर्ट में पेश कर 11 दिन की रिमांड पर लिया गया था।

जनजाति प्रतिभा सम्मान के लिए आवेदन आमंत्रित

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 30 जून। जनजाति उपयोजना क्षेत्र के जनजाति युवाओं को अकादमिक एवं रोजगार क्षेत्र में अर्जित उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए सम्मानित करने जनजाति प्रतिभा सम्मान वर्ष - 2024-25 के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। माणिक्यलाल वर्मा आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान उदयपुर के निदेशक ओपी जैन ने बताया कि आवेदन के लिए गुगल फॉर्म जारी किया गया है। पात्र युवा 1 जुलाई से 1 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। जैन ने बताया कि आवेदक टीएसपी क्षेत्र का मूल निवासी तथा जनजाति वर्ग का होना आवश्यक है। ऐसे युवा जो केंद्र, राज्य अथवा अर्द्धसरकारी संस्थाओं में राजपत्रित अधिकारी के पद पर चयनित हुए हो, मेडिकल या इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर किसी मान्यता प्राप्त महाविद्यालय में मेडिकल अथवा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश लिया हो, किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से प्रथम प्रयास में कक्षा 10वीं अथवा 12वीं में नियमित अध्ययनकर न्यूनतम 75 प्रतिशत अंक या समकक्ष ग्रेड प्राप्त की हो, किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से प्रथम प्रयास में स्नातक अथवा स्नातकोत्तर परीक्षा न्यूनतम 65 प्रतिशत अंक या समकक्ष ग्रेड के साथ उत्तीर्ण की हो, किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से विद्या वाचस्पति पीएचडी उपाधि प्राप्त की हो अथवा आईसीएआई अथवा आईसीएसआई से सीए अथवा सीएस की परीक्षा उत्तीर्ण की हो वे आवेदन के लिए प्राप्त होंगे। विस्तृत जानकारी टीएडी की अधिकृत वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

सीए दिवस की पूर्व संध्या पर 200 से अधिक सीए के साथ राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सीए सेल की कार्यकारिणी कमेटी का किया गठन

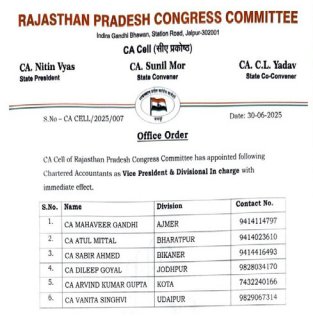
RAJASTHAN PRADESH CONGRESS COMMITTEE
Indira Gandhi Bhawan, Station Road, Jaipur-302001
CA Cell (सीए प्रकोष्ठ)
CA. Nitin Vyas, State President | CA. Sunil Mor, State Convener | CA. C.L. Yadav, State Co-Convener
S.No – CA CELL/2025/007 Date: 30-06-2025
Office Order
CA Cell of Rajasthan Pradesh Congress Committee has appointed following Chartered Accountants as Vice President & Divisional In charge with immediate effect.

S.No.	Name	Division	Contact No.
1.	CA MAHAVEER GANDHI	AJMER	9414114797
2.	CA ATUL MITTAL	BHARATPUR	9414023610
3.	CA SABIR AHMED	BIKANER	9414416493
4.	CA DILKEP GOYAL	JODHPUR	9828034170
5.	CA ARVIND KUMAR GUPTA	KOTA	7432240166
6.	CA VANITA SINGHVI	UDAIPUR	9829067314

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) प्रकोष्ठ ने प्रदेश में अपनी सांगठनिक मजबूती और विस्तार को लेकर अहम कदम उठाया है। इसी क्रम में प्रदेश के विभिन्न संभागों और जिलों के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की नियुक्ति की गई है, जो पार्टी के वित्तीय मामलों, नीतिगत मार्गदर्शन और सांगठनिक सहयोग के कार्यों में अपनी भूमिका निभाएंगे। संभागीय प्रभारी और उपाध्यक्ष में सीए वनीता सिंघवी को उदयपुर, अजमेर संभाग से सीए महावीर गांधी , जबकि भरतपुर संभाग से सीए अतुल मित्तल को जिम्मेदारी सौंपी गई है। बीकानेर संभाग का प्रतिनिधित्व सीए साबिर अहमद करेंगे। जोधपुर संभाग में सीए दिलीप गोयल को यह जिम्मेदारी दी गई है। कोटा संभाग में इस पद की जिम्मेदारी सीए अरविंद कुमार गुप्ता को दी गई है। इसके साथ ही तीन जिलों के लिए भी ग्रामीण जिला अध्यक्षों की घोषणा की है। कोटा ग्रामीण से सीए तरुण जैन, सिरोही से सीए गौरव अग्रवाल और उदयपुर ग्रामीण से सीए अंशुल मोगरा को नियुक्त किया गया है। ये सभी जिला अध्यक्ष स्थानीय स्तर पर संगठन की नीतियों को मजबूती देने, कार्यक्रमों के आयोजन तथा पार्टी के आर्थिक और सामाजिक सरोकारों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। आपको बता दें कि इससे पहले नियुक्त किए गए 21 जिलों के अध्यक्षों में उदयपुर के सीए (डॉ.) हितेष कुदाल को उदयपुर शहर जिलाध्यक्ष व सीए रहनुमा खान को उदयपुर सचिव नियुक्त किया जा चुका है।

यू.एस. ओस्तवाल कॉलेज में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

24 न्यूज अपडेट

मंगलवाड़। यू.एस. ओस्तवाल एजुकेशन सोसायटी, मंगलवाड़ के परिसर में सोमवार को एनसीसी कैडेट्स और महाविद्यालय प्रशासन की उपस्थिति में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस आयोजन में सोसायटी के चेयरमेन एवं पर्यावरण प्रेमी उमरावसिंह ओस्तवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान उमरावसिंह ओस्तवाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए वृक्षों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि "वृक्ष न केवल हमें ऑक्सीजन देते हैं, बल्कि वायु प्रदूषण को कम करने, जलवायु संतुलन बनाए रखने और वन्य जीवन की रक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।" उन्होंने यह भी बताया कि वृक्षों से प्राप्त औषधीय गुण मानव जीवन की रक्षा के लिए अनिवार्य हैं और वृक्षों की कमी ग्लोबल वार्मिंग जैसी गंभीर समस्याओं को जन्म देती है। ओस्तवाल ने छात्रों से आह्वान किया कि वे महाविद्यालय परिसर में प्रत्येक छात्र दो पौधे लगाकर वातावरण को प्रदूषण मुक्त बनाने में सहयोग करें। इस अवसर पर संस्था के निदेशक विजय ओस्तवाल, महाप्रबंधक प्रो. एम.एल. मांडोत, पीजी कॉलेज की प्राचार्य डॉ. खुशबू सिंघल, फार्मेसी कॉलेज की प्राचार्य डॉ. अलका अग्रवाल, विद्यालय के प्राचार्य विनय शर्मा, स्वाति ओस्तवाल, अन्य गणमान्य नागरिक तथा संस्था के शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित रहे।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmai.com

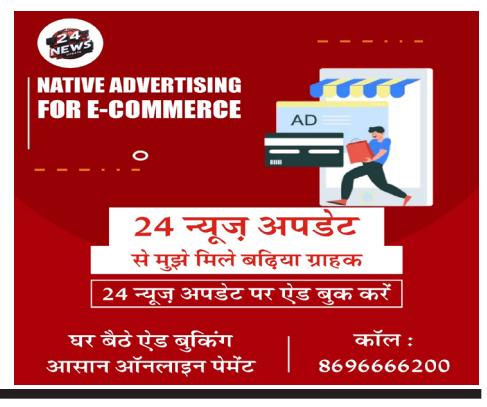

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।